दृष्टि दान

एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक का न्यूजलेटर

MK EYE BANK

सेवा के 10 वर्ष

वर्ष : 8 अंक : 2

माह : अप्रैल से जून 2019

विश्व स्वास्थ्य दिवस: नेत्रदान सेमिनार संपन्न

एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक द्वारा समय-समय पर नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अंतर्गत आई बैंक द्वारा नेशनल इंटिग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन को नेत्रदान जागरूकता विषय पर एक सेमिनार अप्रैल माह में आई बैंक प्रांगण में आयोजित किया गया। इस आयोजन में एसोसिएशन के डॉक्टरों ने नेत्रदान जागरूकता के विषय में विस्तार से जाना व समझा। साथ ही डॉक्टरों ने आई बैंक की गतिविधियों का अध्ययन किया। आई बैंक की कार्यकारी निदेशक श्रीमती उमा झंवर ने पॉवरपाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से नेत्रदान की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। सेमिनार में नेशनल इंटिग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. सुरेश ढोलवे, डॉ. ओ.पी. कनकने, डॉ. अनिल श्रीवास्तव, डॉ. राजेन्द्र बिसवारी, डॉ. आर.एस. चौहान,

नेशनल इंटिग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन, इन्दौर द्वारा एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक का अवलोकन व नेत्रदान जागरूकता प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

डॉ. गिरीश कुमार सिंघल,डॉ. एल.ओ. पाटील, डॉ. आर.के. दुबे, डॉ. एन.पी. जायसवाल, डॉ. नितिन, डॉ. सम्यक जैन, डॉ. सईद अथर अली, डॉ. मंजीत सिंह देवे, डॉ. मोरहार अली, डॉ. प्रकाश तनवानी, डॉ. ए.के. जोशी, डॉ. आजाद मंसूरी, डॉ. कमल गोस्वामी व अन्य सदस्य सेमिनार में उपस्थित थे। सेमिनार के अंत में सभी डॉक्टरों द्वारा आई बैंक के कार्य को सराहा व प्रशंसा व्यक्त की। तत्पश्चात सभी ने नेत्रदान के फार्म भर कर नेत्रदान का संकल्प लिया।

मानसिक अन्धत्व के लिए कार्निया प्रत्यारोपण कब?

सम्पादकीय

कार्नियाजनित अन्धत्व के समाधान के लिए हमारी एम.के.ऑय बैंक के साथ-साथ देशभर में दर्जनों संस्थाएं धर्मनिष्ठा से जुटी हुई हैं, परन्तु जिस मानसिक अन्धत्व से आज हम ग्रस्त हैं, उसके प्रति हमारी उपेक्षा शर्मनाक है कबेटा तो बेटा, बेटियाँ भी पैसों के लिए मां-बाप की हत्यारी बनने में झिझक नहीं रही हैं क नवजात बच्चियों से लेकर अस्सी वर्षीय वृद्धाओं को बलात्कार का शिकार बनाया जा रहा है। नाबालिग लड़कें बलात्कारी हो रहे हैं। चोरी, नशाखोरी, लूट, ठगी और जरा-सी बात पर हत्या-मारपीट भी आम बात हो गई हैं। ऐसी ही विविध आयामी बहुत ही शर्मनाक घटनाएं हमारे देश की सनातन संस्कृति का मुंह चिढा रही हैं।

हमारे देश में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय क्लबों की लाखों शाखाएं हैं। धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और समाज विशेष से जुड़े संगठनों की भी लाखों \शाखाएं सक्रिय हैं। मनोवैज्ञानिकों और चिकित्सकों के भी दर्जनों संगठनों की हजारों शाखाएं हैं। सामाजिक विसंगतियों के उन्मूलन के लिए बने शासकीय और सामाजिक सहयोग से चलने वाले अशासकीय संगठनों यानी नॉन गवर्नमेन्ट आर्गेनाइजेशन्स की संख्या भी कम नहीं हैं। आखिर क्यों उन सबसे जुड़े तमाम करोड़ों बुद्धिसम्पन्न तथा सामर्थ्यवान लोगों की तेज नजर इन तमाम विडम्बनाओं को गम्भीरता से देख पाने में असमर्थ हैं? क्या यह मानसिक अन्धत्व नहीं है? कलियुग है, यह तो होना ही था, या हमें क्या करना? या मैं क्या कर सकता हूँ? चलने दो कभी तो रुकेगा क सरकार को कुछ करना चाहिए। क्या बलात्कारी को तत्काल मौत के घाट उतार दिया जाना चाहिए। सरकारें सो रही हैं। ये तमाम वाक्य देशभर के वातावरण में तैरते हुए दूसरों को भी मानसिक रूप से दृष्टिहीन बनाने में सक्षम सिद्ध होते हैं और पल्ला झाड़ने की प्रवृति का झन्डा ऊंचा और भी ज्यादा ऊंचा होता चला जाता है। हमें बिना समय गवाएं गम्भीरता से उपरोक्त सामाजिक पराभवों-पतनों की जड़ों में जाना होगा। यह लगता है कि कहीं हमारी पैसा प्रधान शिक्षा पद्धति इसकी जिम्मेदार तो नहीं है?

क्या पोर्नोग्राफी का बेखौफ प्रचार-प्रसार आज की कई समस्याओं की जड़ तो नहीं है, क्या अखबारों में सेक्स सम्बन्धी और सेक्स से जुड़े उपकरणों-दवाओं आदि के बेरोकटोक विज्ञापनों का इसमें कोई हाथ तो नहीं है, जिनके नीचे अखबार 'अस्वीकरण' लिखकर अपने महादायित्व से पल्ला झाड़ कर स्वघोषित निर्दोषिता का प्रमाणपत्र खुद ही ले लेते हैं। क्या बीएसएनएल सहित तमाम टेलीकाम कम्पनियों के नेटवर्क के जरिये 'आओ सुहानी रातों में मस्ती भरी बातें करें' जैसे द्विअर्थी मैसेज किशोरों, तरुणों और युवाओं के हारमोनजनित मनोशारीरिक बदलावों को गलत दिशा तो नहीं दे रहे हैं? हम कब तक अन्धे बने रहेंगे ? आखिर कब तक? धन प्रधानता की यह कितनी मर्मभेदी विडम्बना है कि बच्चों की किलकारियों से महकने वाले ममतामयी आँगन अब नन्हें-नन्हें एवं प्यारे-प्यारे दुलारे बच्चों को जबरिया झुलाघरों में ठेलने को आतुर और व्याकुल होने लगे हैं? जहां पर उन बच्चों की कातर और मार्मिक चीत्कारें झुलाघरों की आयाओं के खौफ में अनसुनी रह जाती हैं।

देश के उन समस्त साधू-सन्तों, शिक्षा शास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, नीति निर्धारकों, चिकित्सकों और उपरोक्त तमाम धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों-क्लबों के पदाधिकारियों-सदस्यों को इस मानसिक अन्धत्व से साहसपूर्वक स्वमेव और प्रतिज्ञापूर्वक निजात पाना होगी, जिनकी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों अन्य शक्तिसम्पन्न तथा प्रभावी महानुभावों के साथ मुस्कराते हुए तस्वीरें अक्सर अखबारों में दिख जाती हैं, यानी वे सरकार को वांछित बदलाव के लिए सहमत करने की क्षमता रखते हैं कवे इन तमाम विसंगतियों की जड़ों का पता करें और सटीक प्रहार कर व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र को आने वाले महाविनाशकारी सांस्कृतिक विपदा से बचाने का सार्थक और सफल प्रयास करें।

डॉ.मनोहर भण्डारी, मानद सम्पादक

हमारी आंखें आज भी जीवन्त हैं आप भी संकल्प कर जीवन्त कर सकते हैं।

स्व. श्री ग्यारसी देवी राठी

स्व. श्रीमती धनवन्ती सचदेव

स्व. श्रीमती भागवन्ती रश्मि गुरवानी

स्व. अर्जुनदास जी मूलचंदानी

स्व. श्रीमती शीला वाधवानी

अप्रैल 2019–श्रीमती लीला देवी दाणे, श्री गोविन्दराम खत्री, श्रीमती केशर बाई जैन, श्री कमल लालवानी, श्री जशवंत सिंह ठाकुर, श्री किशन चन्द्र रोहिरा, सुश्री नीना मित्तल, श्रीमती मोहिनी कुकरेजा, श्री माणकलाल धोका, श्री कमलेश जैन, श्री मोहनलाल बड़जात्या जैन, श्रीमती शान्ता देवी सोनी, श्री महेश जैन, श्रीमती शांति बाई पोरवाल, श्री सतीश नीमा, श्रीमती कांता बाई लड्ढा, श्रीमती हीरा बाई वर्मा, श्री दिनेश लखोटिया, श्री सतीश कुमार रोहिडा, श्री महेन्द्र कुमार बागरेचा, श्री शैलेन्द्र तिवारी, श्री रामजीलाल अग्रवाल, श्री ओमप्रकाश चेलानी, श्री अनन्त नारायण उपाध्याय, श्री गन्धर्व यादव, श्री बसन्तराव गाड़े, श्री भानुशंकर जोशी, श्रीमती ज्योति पारसमल जैन। **मई 2019**– कुमारी चित्रा चौबे, श्रीमती शीला देवी वाधवानी, श्री कैलाश सिंह सिसौदिया, श्रीमती मांगी बाई जैन, श्री रूपचन्द सचदेव, श्री रमेशचंद्र नीमा, श्री अनिल कुमार वर्मा, श्री अशोक कुमार उदासी, श्री अनिल कुमार वोरा, श्रीमती ग्यारसी देवी राठी, श्री झमरलाल मूलचन्दानी, श्रीमती धनकौर बाई पाटीदार, श्री बसंत पुरोहित, श्री माणकचन्द अचालिया, श्री मुकेश जैन, श्रीमती चन्द्रकला आहूजा, श्री सौभाग्यमल जैन, श्री चन्द्रप्रकाश जैन, श्री नरेशचन्द्र जैन, श्रीमती कल्पना पंवार, श्री राजेन्द्र कुमार जैन, श्री सेवकराम चन्दवानी, श्री रामपाल राठी, श्रीमती जमना देवी वाधवानी, श्री श्रेमल कोठरी, श्रीमती गीता बाई पोरवाल, श्री निलेश भायल, श्रीमती जसपाल कौर ढल, कुमारी शशि अम्बेकर, श्रीमती इन्जना देवी तोलानी, श्रीमती बेबी देवी विनायका, श्री मोतीलाल माहेश्वरी, श्री बद्रीलाल भांगड़े, श्रीमती दया देवी मोटवानी, श्री श्याम हांडियेकर, श्रीमती सीमा साधवानी, श्री सरदारमल चौपड़ा (दलाल), श्रीमती सन्तोष कटकानी, श्रीमती दयावन्ती कुकरेजा, श्री प्रहलाद दास अग्रवाल। **जून 2019**– श्रीमती भागवन्ती रश्मि गुरवानी, श्री मदनसिंह यादव, श्री जुगल किशोर बैरागी, श्रीमती कृष्णा देवी गुप्ता (आर्य), श्रीमती सरला बाई कासलीवाल, डॉ. सदानन्द गुजराती, श्रीमती चमेली देवी चोरडीया, श्री विमलचन्द गोलेचा जैन, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्री रविन्दर सिंह मुछाल, श्री राजेन्द्र कुमार शाह, श्रीमती कलावती बाई जैन, श्री गिरीराज दीक्षित, श्री अर्जुनदास मूलचन्दानी, श्री होतचन्द्र मोरवानी, श्री पुरुषोत्तम लाल जिन्दल, श्रीमती वनिता शाह, श्रीमती कमला देवी खण्डेलवाल, श्री प्रेमचन्द ममतानी, श्री भारतसिंह सिसोदिया, श्री गिरीजेन्द्र सकरगायें, श्री दीपक कुमार बेदी, श्री जय वाटवानी, श्रीमती श्यामा शर्मा, श्री नानकराम तेजवानी, श्री लीलाधर अग्रवाल, श्री गोविन्द दास नागर, श्रीमती निर्मला लालवानी, श्री वीरूमल भाटिया, श्री श्याम विजयवर्गीय, श्रीमती धन्वंतरी बाई सचदेव, श्रीमती शान्ता बाई अग्रवाल, श्री घनश्यामदास खेतपाल, श्री रमेश खत्री, श्री भावन दास आडवानी, श्रीमती जसबीर कौर वाधवा, श्री पूनमचन्द मेहता जैन, श्रीमती जायत्री देवी अग्रवाल, श्री अनोखीलाल जैन (बोहरा), श्री जितेन्द्र पारीख, श्री लक्ष्मीचन्द गुप्ता।

स्व. श्री रूपचंदजी सचदेव

स्व. श्री भारत सिंह सिसोदिया

स्व. श्री ठा. जसवंत सिंह गौड़

स्व. अर्जुनदास जी मूलचंदानी

स्व. श्रीमती चंद्रकला आहूजा

आज जब देखा एक नेत्रहीन को सोचा...

कितने भाग्यशाली हैं हम
जो देख सकते हैं सारी दुनिया
सोचो जरा उनके बारे में
जिन्हें नसीब न हो पायी
जीवन की रंग-बिरंगी झलकियाँ
जीवन के हर रंग से हैं वो बेखबर
प्रकृति की सुंदरता देखने को
नहीं मिली उन्हें कोई नजर
क्या हमारा कर्त्तव्य नहीं
कि हम कर दे उनके अंधेरे को रोशन
मृत्यु के बाद अपने नेत्रदान कर
दे दे उन्हें एक नया जीवन
कितना अच्छा होगा
जब हमारे जाने के बाद भी हमारी आँखे
इस रंग-बिरंगी दुनिया को देख पायेगी
अब तक जिनके सोये थे सपने
उनके जीवन में नए रंग लायेगी।

❖ उमा झंवर

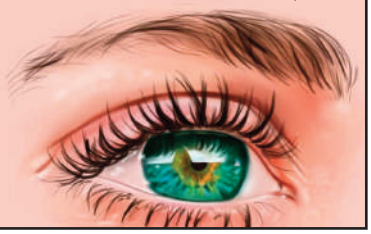

आवाज ग्रुप के ईद मिलन कार्यक्रम में एम.के. आई बैंक की सहभागिता

एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक द्वारा नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आवाज़ ग्रुप द्वारा आयोजित ईद मिलन समारोह में संस्था द्वारा नेत्रदान जागरूकता का स्टॉल लगाया। श्री रामबाबू मालवीय और श्री गोपाल सेरोके ने नेत्रदान की जानकारी को विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम में पानी और पर्यावरण के बारे में परिचर्चा की गई।

VISITOR'S COMMENTS

NIMA - National (Integrated) Medical Associated Members-
Very grace ful work. Our as National Medical (Integrated) Associated NIMA Indore branch want to celebrate your centre. Thank you. **-Dr. Suresh Dholne**
Very nice work done by M.K. International Eye Bank. NIMA Doctors are ready to work voluntary for eye donation campaign. **-Dr. Rakesh Gupta**
It is very helpfull for needy person doing very nice job.
Dr. O.P. Kankane, Indore
Nice Efforts. **-Dr. Anil Shrivastava**
Doing excellent job. **-Dr. Rajendra Biswari**
Very nice thinking & work. **-Dr. R.S. Chouhan**
सराहनीय कार्य के लिये साधुवाद। **-Dr. Girish Kumar Singhal**
परमार्थ कार्य के लिये धन्यवाद **-Dr. L.O. Patil**
सराहनीय कार्य **-Dr. R.K. Dubey**
Good Job! **-Dr. N.P. Jaiswal**
बहुत ही सराहनीय कार्य। लोक जागरूकता आवश्यक। **-Dr. Samyak Jain**
Good Job! **-Dr. Syed Athar Ali**
ज्योति जागृत करना मानव से मानव। **-Manjeet Singh Dewe**
सराहनीय कार्य। **-Dr. Morhar Ali**
Very well arranger Eye Bank **- Dr. Prakash Tanwani**
Bravo **-Dr. A.K. Joshi**
ग्रामीण क्षेत्र में नेत्रदान जागृत करना **-Dr. Azad Mansuri**
So Nice. **-Dr. Kamal Goswami**

समाज सेवा हेतु आपका योगदान अनुकरणीय है। आपके जागरूकता कार्यक्रमों से कई जीवन रोशन हो रहे हैं। ईश्वर का आशीर्वाद सदैव आपको स्वस्थ व सफल रखें।
लायन रश्मि गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट को-आर्डिनेटर, इंदौर

Wonderful work done carried out. Training for the rural people will definately help a lot for more awareness & transplantation. My best wishes for future endeavouls.
Dr. Nawal J. Malu, Aurangabad
International Director-Lions Club

It is really a good social work. People who can't see are able to see because of this eye donation. It is a wonderful work done by this trust.
Ayushi Somani, Mumbai

The best social work, by which someone gets eye light through which they can see the life and world. Eye donation, preservation and transplantation are work which trust is doing. Salute for this work.
Yash Shrivas & Samyak Jain, Indore (M.P.)

आई डोनेशन व देहदान एक बहुत पवित्र व कल्याणकारी कार्य है और आपकी संस्था द्वारा किये जा रहे इस कल्याणकारी कार्य के लिये आप लोगों की जितनी प्रशंसा की जाये वो कम है। आज के युग में आई डोनेशन सभी को करना चाहिये जिससे आपकी आंखों के रूप में किसी को रोशनी मिलेगी व आप उसके शरीर में आँखों के रूप में जीवित रहेंगे।
शुभांगी खण्डेलवाल, संस्कृति वूमन्स सोशल क्लब इंदौर

एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक टीम -

- डॉ. राजेश गुप्ता-9302898152
- श्री अनिल गौरे-9302898155, 8982898155
- श्री गोपाल सेरोके-9926639419, 8819900419
- श्री रामबाबू मालवीय-9753422493

CORNEA COLLECTION SUMMARY

Months	Utilization				No Blood Sample	Reactive
	Collection	Utilization	Research	Study		
Apr-19	56	34	6	8	4	4
May-19	80	43	2	29	2	4
Jun-19	82	47	13	12	8	2
Total	218	124	21	49	14	10

कोने-कोने से आह्वान, खूब करो नेत्रदान

कॉर्निया संग्रह केंद्र

गायत्री शक्तिपीठ, जोबट (अलीराजपुर)
श्री अजमेरसिंह डावर-9425970315
श्री रमेश डुडवे - 9685847966

सरस्वती आई हॉस्पिटल, बड़वानी
डॉ. ललित मालव - 9584379885
श्री राम जाट-9893500800
श्री प्रदीप चौकड़े-9993432639

कश्यप रोटरी, आई बैंक, रतलाम
श्री मनीष जैन-9425103923
श्री मितेश गदिया-9329335770

जिला अस्पताल बुरहारपुर
डॉ. के.पी. क्षोत्री - 9826279339
डॉ. रमेश सोमानी - 9826335022

जिला शासकीय चिकित्सालय, खंडवा
श्री प्रहलाद तिरोले- 9826769428
श्री नारायण बाहेती - 9425639111

गीता भवन न्यास समिति, बड़नगर
श्री हरिकिशन मेलवाणी-9300764647
डॉ. जी.एल. ददरवाल-8839799893

जिला चिकित्सालय, धार
श्रीमती कर्मा मुजाल्दा-9179654301

जिला चिकित्सालय, खरगोन
डॉ. दौलतसिंह चौहान - 9926503948
श्री उदयसिंह राठौर(नेत्र सहायक) - 9826653280

कॉर्निया संग्रह केंद्र स्थापित कर आप भी नेत्रदान के इस पावन अभियान के सहभागी बन सकते हैं। यह बहुत ही आसान है। यदि आप समाज सेवा के इस यज्ञ से जुड़ना चाहते हैं तो एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक से सम्पर्क कर सकते हैं।

एम.के. इंटरनेशनल आई. बैंक द्वारा माह जून 2019 तक कुल 8706 कॉर्निया संकलित....

बाम्बे हॉस्पिटल नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने आई बैंक का अवलोकन किया

बाम्बे हॉस्पिटल नर्सिंग कॉलेज के 50 विद्यार्थियों ने एम.के आई बैंक का अवलोकन कर नेत्र बैंक की गतिविधियों की पूर्ण जानकारी प्राप्त की। आई बैंक के स्टॉफ द्वारा उपकरणों से कार्निया की जांच कैसे की जाती है, यह बताया गया। एम.के. आई बैंक की कार्यकारी निदेशक श्रीमती उमा झंवर द्वारा पॉवरपाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को नेत्रदान के प्रति जागरूक किया। प्रेजेंटेशन के पश्चात उन्हें बताया गया कि कैसे मृतक व्यक्ति के परिवार को जागरूक कर उन्हें नेत्रदान के लिए प्रेरित करके नेत्रदान करवाया जा सकता है। सभी विद्यार्थियों ने नेत्रदान प्रतिज्ञा पत्र भर कर नेत्रदान का संकल्प लिया।

नेत्रदान से पूर्व आवश्यक निर्देश

- मृत्यु के तुरंत बाद चार से छह घंटे के बीच आई बैंक को सूचना दें।
- आँखें बन्द कर गीली रुई रखें।
- पंखा बन्द कर दें, एसी या कूलर चालू रखें।
- सिर के नीचे तकिया जरुर रखें।
- नेत्रदान मृत्यु स्थल पर ही निःशुल्क 24 घंटे होता है।

Printed Matter Book Post

स्व. श्री बद्रीलाल जी भांगड़े की पगड़ी रस्म में नेत्रदान जागरूकता पर एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक द्वारा प्रस्तुति देकर मृतक परिजनों को नेत्रदान प्रमाण प्रदान किया गया।

शिक्षण संस्थाएं, क्लब, शासकीय एवं अशासकीय कार्यालय, सामाजिक संगठन में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम करवाने के लिए संपर्क करें-

श्रीमती उमा झंवर 9302898151
श्री अरुण चौधरी 9893104675
info@eyebank.in ई-मेल पर सूचित करे।

नेत्रदान के लिए कीजिए सिर्फ एक कॉल

09406631919, 07869191919
0731-4075919, 2556789

उदारतापूर्वक दान करें

समाज के जिन दानदाताओं, प्रतिष्ठानों एवं संस्थाओं ने मुक्तहस्त से आर्थिक सहायता देकर श्री मुरलीधर किशनगोपाल पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा की जा रही मानवीय सेवाओं में अपनी भागीदारी की है, उन सभी का आभार। ट्रस्ट की गतिविधियों के संचालन हेतु उदार दानदाताओं से हमें निरंतर आर्थिक सहयोग प्राप्त होता है।

(Donations given to trust are exempted U/s 80 G of I.T. Act, 1961)

दानदाता- श्री अनिल कुमार काबरा-मुम्बई, श्री एच.के. जैन-अनिला मेडिकल स्टोर्स, इंदौर

Name of Beneficiary-
Shri Murlidhar Kishangopal Parmarthik Trust

Address of Beneficiary-
51-Soubhagya Building, 1/1, New Palasia
Indore-45200 MP -INDIA

Contact Number Beneficiary-
09303226900

Bank Name-
State Bank of India, Industrial Finance Branch
Khel Prashal, Race Course Road, Indore-3

Account Number
For Indian Currency Donar - 35416423981
For Foreign Currency Donar - 34680443014

IFSC Code-
SBIN0030340

विशेष सूचना - इस बुलेटिन में प्रकाशित समस्त आलेखों के विचार लेखकों की निजी अभिव्यक्ति है। इनसे संपादक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. मुकेश मोढ़ द्वारा स्पॉट ग्राफिक्स, 201, अकबर अली कॉम्पलेक्स, 585, एम.जी. रोड, पलासिया चौराहा, इंदौर-45001 से मुद्रित एवं सांई सम्पदा, टैरेस फ्लोर, 16, छोटी खजरानी, एमआर-9, इंदौर-452008 से प्रकाशित
Email: info@eyebank.in Web: www.eyebank.in
♦ समन्वयक : अवनीन्द्र जोशी ♦ डिजाइन : मोहन लश्करी ♦ मानद सम्पादक-डॉ. मनोहर भण्डारी